647510 **BRS2HinF501B** **Seat No :_____**

B.R.S. Semester - 2 (*CBCS*) Examination
June/July-2022 (New Course)
HINDI (FND-5)

Time: 2:30 Hours **Marks: 70**

Instructions:
1. All questions are compulsory.
2. Figures to the right indicate marks.

प्रश्न १ खण्डकाव्य के लक्षणों के आधार पर 'जयद्रथ वध' खण्डकाव्य का मूल्यांकन कीजिए। (१५)

अथवा

प्रश्न १ जयद्रथ वध के गौण पात्रों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

प्रश्न २ निम्नांकित प्रश्नों के उतर सूचनानुसार दीजिए।

(अ) निम्नांकित में से किन्हीं पांच मुहावरों के अर्थ दीजिए। (०५)

१. ईद का चाँद होना।
२. अपने पाँव पर कुल्हाडी मारना।
३. श्री गणेश करना।
४. आँखो का तारा होना।
५. नाक कट जाना।
६. चल बसना।
७. आटे दाल का भाव मालुम होना।

(ब) निम्नांकित परिच्छेद का हिन्दी में अनुवाद कीजिए। (०५)

"સ્વાર્થ ટાળી બીજાઓને ખાતર જીવવું એમાં વ્યક્તિ ધડતરનું આખું શાસ્ત્ર સમાયેલું છે. અને તેનો પહેલો પાઠ સાહજિક રીતે કૌટુબિંક જીવનમાં શીખી શકાય. સાચા પ્રેમમાં માણસને પોતાનામાંથી બહાર ખેંચવાની શક્તિ છે. સાચા પ્રેમમાં ઉદારતા છે. નિસ્વાર્થીપણુ છે, બલિદાન છે, પ્રેમથી જ માણસ પહેલીવાર બીજાઓનો વિચાર કરતો થાય છે. પોતાની સગવડ વિસારે પાડે છે, પોતાના હદય-સિંહાસન પરથી પોતાની જાતેને ઉતારવા તૈયાર થાય છે."

(क) हिन्दी के मानक व्यंजन लिखिए। (०५)

प्रश्न ३ निम्नांकित में से किन्हीं तीन की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए। (१५)

१. "अधिकार खोकर बैठ रहना, यह महा दुष्कर्म है,
न्यायार्थ अपने बन्धु को भी दण्ड देता धर्म है।"
२. "साक्षी रहे संसार करता हूँ प्रतिज्ञा पार्थ मैं।
पूरा करूँगा कार्य सब कथनानुसार यथार्थ मैं।"
३. "गोविंन्द अब क्या देर है प्रण का समय जाता टला।
शुभ-कार्य जितना, शीध्र हो, है नित्य उतना ही भला।"
४. "परिणय-समय मंडप तेल सम्बन्ध दृढता-हित अहा!
ध्रुव देखने को वचन मुझसे नाथ! तुमने था कहा।"
५. "परिणाम को सोचे बिना जो लोग करते काम है,
वे दु:ख में पडकर कभी पाते नहीं विश्राम है।"

प्रश्न ४ 'जयद्रथवध' खण्डकाव्य के कथानक को अपने शब्दों में लिखिए। (१५)

अथवा

प्रश्न ४ जयद्रथवध काव्य के नायक अभिमन्यु का चरित्र-चित्रण कीजिए।

प्रश्न ५ जयद्रथवध काव्य के संदेश पर प्रकाश डालिए। (१०)

अथवा

प्रश्न ५ जयद्रथवध में वर्णित उतरा विलाप को अपने शब्दों में लिखिए।

****